पत्रावली मे शामील हो
5/5/99

(15)

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी (पूर्व)
जयपुर ।

प्रार्थना पत्र संख्या : 59/99

[illegible] प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 212 राजस्थान काश्तकारी अधि०

संशोधित टाईटल

मनोहर सिंह पुत्र स्व0 श्री रामचन्द्र जाति दरोगा निवासी ग्राम कानडवास, तहसील बस्सी, जिला जयपुर ।

---- प्रार्थी

ब ना म

1. मदन सिंह पुत्र स्व0 रामचन्द्र निवासी ग्राम कानडवास, तहसील बस्सी जिला जयपुर हाल टीबा नम्बर 7 ए, जवाहर नगर, जयपुर ।

2. शम्भू सिंह पुत्र स्व0 रामचन्द्र निवासी ग्राम कानडवास, तहसील बस्सी, जिला जयपुर हाल मुरली देवी भवन, मालियो का मौहल्ला छतरी के पास, सीकर हाउस, जयपुर ।

2/1 श्रीमती विमला कवॅर पत्नि स्व0 शम्भू सिंह

2/2 दीपक ॥ पुत्रान स्व0 शम्भू सिंह समस्त नाबालिगान
2/3 फौजी ॥ बौलायत माता स्वयं श्रीमती विमला कवॅर
2/4 बॉबी ॥

3. राजेन्द्र सिंह पुत्र [illegible] निवासी ग्राम कानडवास तहसील [illegible] नम्बर 210 नाहरगढ रोड, जयपुर ।

4. सुरेश सिंह पुत्र स्व0 श्री रामचन्द्र दरोगा निवासी ग्राम कानडवास तहसील बस्सी, जिला जयपुर ।

क्रमशः- 2

Signature Not Verified
Digitally signed by Om Prakash Meena
Date: 2025.05.01 11:21:05 IST
Reason: SelfAttested

5. श्रीमती थापा पत्नि स्व0 श्री रामचन्द्र जाति दरोगा निवासी ग्राम कानडवास तहसील बस्सी जिला जयपुर हाल प्लाट नम्बर बी-84, रोड नं.7, नित्यानन्द नगर, गाँधी पथ, जयपुर ।

6. श्रीमती भँवरी पत्नि हनुमान पुत्री स्व0 रामचन्द्र जी निवासी ग्राम लाखनी पोस्ट काट लाखनी तहसील शाहपुरा जिला जयपुर ।

7. श्रीमती मोती पत्नि भागीरथ सिंह पुत्री स्व0 रामचन्द्र निवासी क्वाटर नम्बर 4 ए, ब्लाक नम्बर 127, मोहब्बत खाँ रोड, रेल्वे क्वाटर 28 धोबी घाट मिन्टोर ब्रिज, नई दिल्ली ।

8. श्रीमती सुगन पत्नि मंगल सिंह पुत्री स्व0 रामचन्द्र निवासी बिरजू सिंह की ढाणी, त्रिवेणी रोड, हनुमान जी का मन्दिर, पोस्ट शाहपुरा, जिला जयपुर ।

9. गोपाल लाल पुत्र धन्नाराम जाति मीणा निवासी ग्राम चैनपुरा (सवाई गैटोर) तहसील सांगानेर जिला जयपुर ।

10. रघुनाथ पुत्र ज्ञाना जाति मीणा निवासी सर्किल गैटोर तहसील सांगानेर जिला जयपुर ।

11. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार सांगानेर, जिला जयपुर ।

Signature Not Verified
Digitally signed by Om Prakash Meena
Date: 2025.05.01 11:21:05 IST
Reason: SelfAttested

--- अप्रार्थीगण

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी [पूर्व]

जयपुर ।

प्रार्थना पत्र संख्या :------------------/ 1999

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 212 राजस्थान काश्त अधिनियम

मनोहर सिंह पुत्र स्व0 श्री रामचन्द्र जाति दरोगा निवासी ग्राम कानडवास, तहसील बस्सी, जिला जयपुर ।

--- प्रार्थी

ब ना म

[1] मदन सिंह पुत्र स्व0 रामचन्द्र जाति दरोगा निवासी ग्राम कानडवास, तहसील बस्सी, जिला जयपुर हाल टीबा नम्बर 7 ए, जवाहर नगर, जयपुर ।

[2] शम्भू सिंह पुत्र स्व0 रामचन्द्र निवासी ग्राम कानडवास तहसील बस्सी जिला जयपुर हाल मुरली देवी भवन, मालियो का मौहल्ला छतरी के पास, सीकर हाउस, जयपुर ।

[3] राजेन्द्र सिंह पुत्र स्व0 रामचन्द्र जाति दरोगा निवासी ग्राम कानडवास, तहसील बस्सी जिला जयपुर हाल मकान नं•210, नाहरगढ रोड, जयपुर ।

Signature Not Verified
Digitally signed by Om Prakash Meena
Date: 2025.05.01 16:21:05 IST
Reason: SelfAttested

[4] सुरेश सिंह पुत्र स्व0 श्री रामचन्द्र जाति दरोगा निवासी ग्राम कानडवास, तहसील बस्सी, जिला जयपुर ।

[5] श्रीमती धापा पत्नि स्व0 रामचन्द्र जाति दरोगा निवासी ग्राम कानडवास तहसील बस्सी जिला जयपुर हाल प्लाट नम्बर बी-84, रोड नं•7, नित्यानंद नगर, गाँधी पथ, जयपुर ।

क्रमशः/= 2

(6) श्रीमती भँवरी पत्नि हनुमान पुत्री स्व0 रामचन्द जी निवासी ग्राम लाखनी पोस्ट काट लाखनी तहसील शाहपुरा जिला जयपुर ।

(7) श्रीमती मोती पत्नि भागीरथ सिंह पुत्री स्व0 रामचन्द निवासी क्वाटरनम्बर 4 ए, ब्लाक नं.127, मौहब्बत खाँ रोड, रेल्वे क्वाटर 28, धोबी घाट मिन्टो ब्रिज, नई दिल्ली ।

(8) श्रीमती सुगन पत्नि मंगल सिंह पुत्री स्व0 रामचन्द निवासी बिरजु सिंह की ढाणी, त्रिवेणी रोड, हनुमान जी का मन्दिर पोस्ट शाहपुरा जिला जयपुर ।

(9) गोपाल लाल पुत्र धन्नाराम जाति मीणा निवासी ग्राम चैनपुरा (सवाई गेटोर) तहसील सांगानेर जिला जयपुर ।

(10) रघुनाथ पुत्र ज्ञाना जाति मीणा निवासी सर्किल गैटोर, तहसील सांगानेर जिला जयपुर ।

(11) राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार बस्सी, जिला जयपुर ।

----- अप्रार्थीगण

प्रार्थना पत्र बाबत अस्थाई निषेधाज्ञा

श्रीमानजी,

प्रार्थी की और से प्रार्थना पत्र निम्न प्रकार प्रस्तुत है :-

Signature Not Verified
Digitally signed by Om Prakash Meena
Date: 2025.05.01 11:21:05 IST
Reason: SelfAttested

(1) यह कि प्रार्थी ने श्रीमान न्यायालय के समक्ष एक वाद बाबत घोषणा खातेदारी व स्थाई निषेधाज्ञा का प्रस्तुत कर दिया है, इसमे प्रार्थी को सफलता की पूरी पूरी आशा है ।

क्रमशः:- 3

{2} यह कि प्रार्थी एवं अप्रार्थी संख्या 1 ता 8 एक ही परिवार के सदस्य है, अप्रार्थी संख्या 1 ता 4 प्रार्थी के भाई है, अप्रार्थी संख्या 5 प्रार्थी एवं अप्रार्थी संख्या 1 ता 4 की माता है एवं अप्रार्थी संख्या 6 ता 8 वादी एवं अप्रार्थी संख्या 1 ता 4 की सगी बहिने है ।

{3} यह कि वाके ग्राम कान्हवास, तहसील बस्सी, जिला जयपुर में भूमि खसरा नम्बर 122 रकबा 7 बीघा 16 बिस्वा व भूमि खसरा नम्बर 134 रकबा 20 बीघा 17 बिस्वा कुल किता 2 रकबा 28 बीघा 13 बिस्वा स्थित है, इस भूमि के खातेदार कृषक रामचन्द्र पुत्र अमरचन्द पारख ओसवाल महाजन जिसका इस भूमि में 1/3 हिस्सा, [redacted], रामचन्द्र पुत्र भोमा हिस्सा 1/3 रघुनाथ पुत्र छाना मीणा हिस्सा 1/3 है ।

{4} यह कि प्रार्थी ने उक्त आराजीयात में से 1/3 हिस्सा जो रतन चन्द पुत्र अमर चन्द पारख ओसवाल महाजन का था जरिये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र क्रय कर लिया, जिसको इन्द्राज राजस्व रिकार्ड में प्रार्थी के नाम से हो गया, रतन चन्द का हिस्सा 1/3 क्रय करने के पश्चात प्रार्थी ने इस भूमि में अपने खर्चे से कुये का निर्माण करवाया, बिजली कनेक्शन व मोटर पम्प आदि अपने खर्चे से [illegible] प्रार्थी रतन चन्द के 1/3 हिस्से का [illegible] हो गया । इस भूमि में प्रार्थी ने पेड पौधे भी लगा रखे है व बिना किसी बाधा व रूकावट के काश्त करता चला आ रहा है ।

{5} यह कि रामचन्द्र पुत्र भोमा जाति दरोगा जिसका प्रार्थना पत्र

Signature Not Verified
Digitally signed by Om Prakash Meena
Date: 2025.05.01 11:21:05 IST
Reason: SelfAttested

के मद नम्बर 3 में वर्णित आराजीयात में 1/3 हिस्सा है, रामचन्द्र का स्वर्गवास हो चुका है । रामचन्द्र के वारीसान व उत्तराधिकारी निम्न प्रकार है :-

रामचन्द्र (मृतक)

श्रीमती धापा देवी (पत्नि) | मनोहर सिंह (पुत्र) | मदन सिंह (पुत्र) | शंभू सिंह (पुत्र) | राजेन्द्र सिंह (पुत्र)

सुरेश सिंह (पुत्र) | श्रीमती भंवरी देवी (पुत्री) | श्रीमती मोती (पुत्री) | श्रीमती सुगन (पुत्री) | शान्ति (पुत्री मृतक)

(6) यह कि इस प्रकार प्रार्थना पत्र के मद नम्बर 5 में वर्णित स्वर्गीय रामचन्द्र के वारीसान का रामचन्द्र की खातेदारी व काश्त की भूमि जिसका वर्णन प्रार्थना पत्र के मद नम्बर 3 में अंकित किया गया है में 1/3 हिस्सा है, रामचन्द्र के स्वर्गवास के पश्चात उक्त आराजीयात में प्रार्थी एवं अप्रार्थी संख्या 1 ता 8 का बराबर-बराबर का 1/9 हिस्सा है, रामचन्द्र की एक लडकी शान्ति देवी का स्वर्गवास हो चुका है, इस कारण उसको वाद में पक्षकार नहीं बनाया गया है, रामचन्द्र के 1/3 हिस्से की भूमि का प्रार्थी एवं अप्रार्थी संख्या 1 ता 8 के मध्य आज तक किसी प्रकार का कोई विभाजन नहीं हुआ है, इस वाद में रामचन्द्र के 1/3 हिस्से की भूमि का विवाद प्रार्थी एवं अप्रार्थी संख्या 1 ता 8 के मध्य है ।

Signature Not Verified
Digitally signed by Om Prakash Meena
Date: 2025-05-01 11:21:05 IST
Reason: SelfAttested

{7} यह कि प्रार्थना पत्र के मद नम्बर 3 में वर्णितानुसार रामचन्द्र पुत्र भोमा की हिस्से व खातेदारी काश्त की भूमि में प्रार्थी एवं अप्रार्थी संख्या 1 ता 8 का बराबर-बराबर 1/9 हिस्सा है। उक्त आराजीयात में संयुक्त हिन्दू परिवार के सभी सदस्यो का समान रूप से हक व अधिकार है, विवादग्रस्त आराजीयात अविभाजित है, जिस पर प्रार्थी एवं अप्रार्थीगण संख्या 1 ता 8 सामूहिक रूप से ही मौके पर कब्जा काश्त है तथा रामचन्द्र की छोडी हुई सम्पत्ति में कानूनन वारीस प्रार्थी एवं अप्रार्थी संख्या 1 ता 8 समान रूप से खातेदार काश्तकार हो गये है। इसी हिस्सेनुसार इस भूमि में प्रार्थी एवं अप्रार्थी संख्या 1 ता 8 काबिज होकर रामचन्द्र के स्वर्गवास के पश्चात संयुक्त रूप से काश्त करते चले आ रहे है, लेकिन उक्त आराजीयात में रामचन्द्र के स्वर्गवास के पश्चात प्रार्थी एवं अप्रार्थी संख्या 1 ता 5 के हक में ~~[illegible]~~ नामान्तकरण खोल दिया व राजस्व रिकार्ड में प्रार्थी एवं अप्रार्थी संख्या 1 ता 5 का नाम बराबर-बराबर हिस्सेदार 1/6 के हिसाब से अंकित कर दिया, जबकि राजस्व रिकार्ड में प्रार्थी एवं अप्रार्थी संख्या 1 ता 8 का बराबर-बराबर हिस्सा 1/9 कानूनन अंकित होना चाहिये था, उक्त गलती अप्रार्थी संख्या 11 के कर्मचारीयो से हुई है जो दुरस्त किये जाने योग्य है, क्योंकि अप्रार्थी संख्या 6 ता 8 भी रामचन्द्र के कानूनी वारिस उत्तराधिकारी है, हिन्दू उत्तराधिकारी अधिनियम के तहत रामचन्द्र के द्वारा छोडी गई सम्पूर्ण चल अचल सम्पत्ति में प्रार्थी व अप्रार्थी संख्या 1 ता 5 के (अप्रार्थी संख्या 6 ता 8 का) समान बराबर-बराबर का हिस्सा है।

Signature Not Verified
Digitally signed by Om Prakash Meena
Date: 2025.05.01 11:21:05 IST
Reason: SelfAttested

(14)

Continuation Note Sheet — Gen. No. 13

मनोहर सिंह / मदन सिंह

17-11-07 पत्रावली प्रस्तुत हुई। कन्डोलेन्स डे के कारण व्यस्त रहने के कारण कार्यवाही नहीं की जा सकी। पत्रावली (1-12-07) को प्रस्तुत हो

17-11-07

1-12-07 पत्रावली पेश हुई। वकील उभयपक्ष उपस्थित हैं। पत्रावली वास्ते बहस प्रार्थना पत्र नि. आदेश 15-12-07 को पेश हो।

1-12-07

15/12/07 पत्रावली पेश हुई। वकील उभयपक्ष उप. पत्रावली वास्ते बहस ... आदेश 29/12/07 को पेश हो।

15/12/07

29-12-07 पत्रावली पेश हुई। वकील उभयपक्ष उपस्थित। प्रा.पत्र पर बहस वकील उभयपक्षों की सुनी गई। पत्रावली वास्ते आदेश नि. 10-1-08 को पेश हो।

29-12-07

10-1-08 पत्रावली पेश हुई। वकील उभयपक्ष उपस्थित हैं। प्रार्थी का प्रा.पत्र ... खारिज किया गया ... पत्रावली पृथक से लिखवाया ... किया गया। पत्रावली ... बाद ... फैसला नम्बर दर्ज ... बाद ... दाखिल दफ्तर हो।

10-1-08

Signature Not Verified
Digitally signed by Om Prakash Meena
Date: 2025.05.01 11:21:05 IST
Reason: SelfAttested